Phosphatic Fertilizer Plant at Paradeep in Orissa

*335. SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that phase I and II of the phosphatic fertiliser plant situated at Paradeep in Orissa has been completed;

(b) if so, how much amount has been spent on this project so far;

(c) by when phase III of the plant is likely to be completed and what is the estimated cost of the same;

(d) whether it is also a fact that due to non-availability of raw materials in time, the plant is facing a lot of problems in production; and

(e) if so, what steps are being taken to overcome the difficulties?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BHAJAN LAL): (a) and (b) Phase-I of the project was completed on 26-2-86 while Phase-II is expected to be completed by October, 1989.

As on 28-2-1989, an amount of Rs. 424.44 crores has been spent on the two phases.

(c) There is no proposal for Phase-III of the plant.

(d) Phase-I of the project is based on imported phosphoric acid and ammonia and there have been problems in production of DAP due to difficulties in importing phosphoric acid at reasonable prices.

(e) The difficulties will be partially solved when phase-II of the propect which envisages indigenous production of phosphoric acid is completed by Paradeep Phosphates Limited. Import of phosphoric acid is also being expedited by Govt.

झांसी दूरदर्शन टावर का अन्यत्र ले जाया जाना

*336. **डा० गोविन्द दास रिछारिया :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को झांसी के किले के अंदर स्थापित दूरदर्शन टावर को हटाने के लिए पुरातत्व विभाग से कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है ;

(ख) क्या यह सच है कि दूरदर्शन टावर से किले का पुरातत्व महत्व कम हो जाता है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस टावर को किसी अन्य स्थान पर ले जाने के लिए कोई कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

संसदीय कार्य तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) से (ग) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने सरकार को सुझाव दिया है कि झांसी के किले के परिसर में स्थापित अल्प शक्ति दूरदर्शन ट्रांसमीटर को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए । क्योंकि किले के अन्दर इसकी स्थापना किए जाने से स्मारक के सौंदर्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है । इस प्रस्ताव को ध्यान में रखते हुए, दूरदर्शन ने ट्रांसमीटर के लिए वैकल्पिक स्थान चुनने के लिए क्षेत्र सर्वेक्षण किया है, क्षेत्र सर्वेक्षण से पता चला है कि ट्रांसमीटर को शहर के किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने से नगर के कुछ हिस्से, जो इस समय दूरदर्शन सिगनलों से कवर होते हैं, इस सुविधा से वंचित हो जाएंगे । अतः यह आवश्यक समझा गया है कि झांसी के किले में स्थापित ट्रांसमीटर से इस समय कवर होने वाले समूचे क्षेत्र की आवश्यकता पूरी करने के लिए नगर में एक अतिरिक्त ट्रांसमीटर स्थापित किया जाए ।

2. सातवीं योजना के अंतर्गत झांसी में एक अतिरिक्त ट्रांसमीटर स्थापित करने का चूंकि कोई प्रावधान नहीं है अतः भारतीय पुरातत्व सवक्षण को सुझाव दिया गया है कि वे झांसी के किले से ट्रांसमीटर को स्थानांतरित करने की आवश्यकता की फिर से जांच करें ताकि लोगों को कोई असुविधा न हो। यह भी सुझाव दिया गया है कि यदि अभी भी यह महसूस किया जाता है कि ट्रांसमीटर को स्थानांतरित किया जाना चाहिए तो इस कार्रवाई को कम से कम दूरदर्शन